

प्रेषक,

डा० निधि पाण्डेय,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण
उद्यान भवन, चौबटिया, रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग:-1

देहरादून: दिनांक 16 अप्रैल, 2015

विषय:-वित्तीय वर्ष 2015-16 के अन्तर्गत अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर पक्ष के अन्तर्गत वचनबद्ध मदों में प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-400/XXVII (1)/2015 दिनांक-1 अप्रैल, 2015 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभागीय अनुदान संख्या-29 के आयोजनेत्तर पक्ष की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वचनबद्ध मदों में वार्षिक आय-व्ययक से प्राविधानित रू०-रू० 91,08,31,000.00 (रू इकानबे करोड आठ लाख इकतीस हजार मात्र) की धनराशि संलग्न कम्प्यूटर आई०डी० विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निर्वतन/आवंटन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) इस धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के लिये ही किया जायेगा।
- (2) उक्त व्यय करते समय वित्त विभाग के उक्त संदर्भित शासनादेश संख्या-400/XXVII (1)/2015, दिनांक-1 अप्रैल, 2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों/निर्देशों एवं बजट मैनुअल के सुसंगत नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (3) किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्तोरमेन्ट रूल्स, 2008, भण्डार कय प्रक्रिया (स्टोर्स पर्चेस रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (4) बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जायेगा।
- (5) अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग त्रैमास के आधार पर शासन को उपलब्ध करायी जाय, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किए जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (7) व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, साथ ही किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

कमशः—2



- (8) व्यय की सूचना निर्धारित बजट मैनुअल के प्रपत्रानुसार प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा इन मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा।
- (9) उक्तानुसार स्वीकृत धनराशि विभाग के नियंत्रणाधीन सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारियों को तात्कालिकता से अवमुक्त कर दी जाय, ताकि फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- (10) लघु निर्माण कार्य कराये जाने से पूर्व आगणनों का शासन/टी0ए0सी0 से परीक्षण कराये जाने हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाय, तदोपरान्त स्वीकृति प्राप्त होने पर ही कार्य कराया जाय।
- (11) विभागाध्यक्ष स्तर से आहरण-वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण प्रत्येक माह वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध करायी जायेगी।
- (12) मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित इकाई में सक्षम स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
- (13) इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में विभागीय अनुदान संख्या-29 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि कर्म-00-आयोजनेत्तर 119-बागवानी और सब्जियों की फसलें-03-औद्यानिक विकास के अन्तर्गत 0301-अधिष्ठान-0302-राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण (भारित)-0304-सचिवालय परिसर का सौन्दर्यीकरण-0305-मुख्यमंत्री आवास के उद्यानों का अनुरक्षण तथा 0306-विधान भवन परिसर में औद्यानिक विकास के अन्तर्गत **संलग्न विवरण** में अंकित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीया,

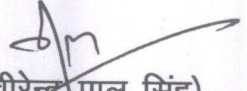
(डा0 निधि पाण्डेय,
प्रभारी सचिव।

संख्या- 22 /XVI(1)/15/7(15)/2015 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 3- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 4- समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 5- वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 7- राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(वीरेन्द्र पाल सिंह)
उप सचिव।